प्रेस विज्ञप्ति

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के के.जी.एम.यू. इंस्टीट्यूट्स ऑफ नर्सिंग द्वारा विश्व नर्स दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में की मुख्य वक्ता श्रीमती सुमन सिंह, चीफ नर्सिंग ऑफिसर, आर.एम.एल.आई.एम.एस. द्वारा **स्वास्थ्य का मानवाधिकार** विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। श्रीमती सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य एक मानवधिकार से तात्पर्य है कि हर किसी को शरीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के उच्चतम प्राप्य मानक का अधिकार है। जिसमें सभी चिकित्सा सेवाओं, स्वच्छता, पर्याप्त भोजन, स्वच्छ आवास, स्वस्थ्य कार्य परिस्थितियों और स्वच्छ वातावरण तक पहुंच शामिल हैं। इस प्रकार स्वास्थ्य मानवाधिकार समाज के सभी व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य संरक्षण प्रणालि की गारंटी देता है।

स्वास्थ्य देखभाल मानवाधिकार का अभिप्राय है कि अस्पतालों, क्लीनिक, दवाओं और चिकित्सको की सेवाओ को सभी के लिए सुलभ, उपलब्ध, स्वीकार्य और अच्छी गुणवत्ता के साथ एक उचित रूप से जहां और जब जरूरत हों वहा उपलब्ध होना चाहिए। स्वास्थ्य सेवाओं को सार्वभौमिक तौर पर हर किसी की पहुंच मे होना चाहिए तथा उन्हे सस्ती एवं सुलभ होनी चाहिए।

कार्यक्रम की मुख्यअतिथि प्रो. विनीता दास, अधिष्ठाता, चिकित्सा संकाय द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि किसी भी चिकित्सालय में सर्वप्रथम मरीज और उनके तीमारदारों का नर्स से ही सम्पर्क होता होता है अतः सबसे पहले आप सब को मरीजो और उनके तीमारदारों से अच्छी तरह से पेश आना चाहिए। क्यूकि मेडिकल प्रोफेशन में सबसे पहले पेशेष्ट केयर की बात आती है। मरीज या उसके तीमारदार जब अस्पताल में आते है तो उनकी मानसिक स्थिति एक ऐसे दौर से गुजर रही होती है कि वो जरा से में असहाय या झल्ला जाते है इन परिस्थिति में हमें उनके साथ उचित ढंग से व्यवहार करना चाहिए।

कार्यक्रम में प्रो. एस.एन. शंखवार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, के.जी.एम.यू. ने बताया कि विश्व युद्ध के समय घायल सैनिकों की मृत्युदर करीब 72 प्रतिशत थी किन्तु जब उन्हे फ्लोरेंस नाईंटीगेल द्वारा नर्सिंग सेवा प्रदान की जाने लगी तो यह घटकर काफी कम हो गई । इस प्रकार आप सबका चिकित्सा जगत में एक महत्वपूर्ण और सरहनीय भुमिका है। आप सब लोग अपने कर्त्तब्य से कभी भी विमुख मत होइयेगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. मधुमति गोयल, अधिष्ठाता नर्सिंग संकाय के उद्बोधन के द्वारा प्रारम्भ हुआ था। प्रो. गोयल ने बताया कि 1974 से 12 मई को विश्व नर्सिंग दिवस को मनाया जा रहा है। नर्से अस्पाताल की अतिथ्य होती है। किसी भी चिकित्स द्वारा जब मरीज को देख लिया जाता है या उसकी सर्जरी कर दी जाती है उसके पश्चात नर्सो द्वारा उनकी देखभाल की जाती है इस प्रकार नर्सो को चिकित्सा के क्षेत्र में एक बहुत ही बड़ा योगदान है। नर्सें हेल्थ केयर इण्डस्ट्रीज का एक अहम भाग है। कार्यक्रम में श्रीमती रश्मि पी जॉन, कार्यवाहक प्रधानाचार्या, के.जी.एम.यू. इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर बी.एस.सी. नर्सिंग एवं एम.एस.सी. नर्सिंग के विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित भी किया गया।